विविध-भारती को मुंबई से दिल्ली स्थित नये स्टूडियो में स्थानांतरित कर दिया गया। दिल्ली स्थानांतरित होते ही विविध भारती पर रोज़ाना डेढ़ घंटे तक ''कर्नाटक संगीत सभा'' का प्रसारण शुरू किया गया। इस संगीत सभा के अंतर्गत तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा के सुगम, लोक, शास्त्रीय एवं फिल्म संगीत का प्रसारण किया जाता था। उन दिनों विविध-भारती से प्रसार गीत, नाटिकाएं, वाद्य संगीत, और फ़रमाइशी फ़िल्मी गीत भी प्रसारित किए जाने लगे। 1 नवंबर सन् 1967 को शुरूआत हुई विज्ञापन प्रसारण सेवा की, जिसकी पहली उद्घोषणा शील कुमार के स्वर में की गई थी। सन् 1972 में विविध-भारती का मुख्यालय एक बार फिर दिल्ली से मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया। विज्ञापन प्रसारण सेवा की 25 वीं सालगिरह तक आते-आते 30 स्टेशनों से विज्ञापन आधारित कार्यक्रम प्रसारित होने लगे। इनमें स्पॉट और जिंगल्स के अलावा प्रायोजित कार्यक्रम भी शामिल हैं।

3 मई सन् 1970 की दोपहर साढ़े 12 बजे से विज्ञापन प्रसारण सेवा पर पहला प्रायोजित कार्यक्रम प्रसारित हुआ- ''सेरीडॉन के साथी''। रोश प्रॉडक्ट्स लि. के इस कार्यक्रम में मशहूर फिल्मी सितारे अपने साथी कलाकारों के बारे में दिलचस्प बातें बताया करते थे। इस कार्यक्रम की पहली मेहमान थीं- अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल। इस कार्यक्रम के कंपीअर और निर्माता थे- अमीन सयानी।

उसी दिन दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर शुरू हुआ कोहिनूर मिल्स का कार्यक्रम- ''कोहिनूर गीत गुंजार'' गीतात्मकता को उभारने वाले इस कार्यक्रम के कंपीअर थे- पंडित विनोद शर्मा। लम्बे समय तक चलने वाला लोकप्रिय प्रायोजित कार्यक्रम था- मनोहर महाजन द्वारा पेश किया जाने वाला- ''सेंटोजन की महफ़िल'' इस कार्यक्रम से जुड़े अन्य लोग थे- सईदुल हसन, अजय कश्मीरी, मोना अल्वी, रमेश तिवारी, मुज़फ्फर क़ादरी, विजय वर्मा और वी. सूरी। इस कार्यक्रम में रामरिख मनहर, दुन-दुन और मोहन चोटी जैसे कलाकार आमंत्रित किए जाते थे। कुसुम कपूर द्वारा तैयार किया जाने वाला कार्यक्रम ''किस्सा तोता मैना'' (प्रायोजक एल.आई.सी.), एवरेडी के हमसफ़र और कृष्णायन (प्रायोजक जनरल इंश्योरेंस कॉर्पो.) कैलाश गोयल द्वारा निर्मित- ''अपनी कहानी-अपनी ज़बानी'' भी लोकप्रिय थे।

विज्ञापन प्रसारण सेवा पर बजने वाला पहला फ़िल्मी रेडियो स्पॉट कब-क्यूं-कहां फिल्म का था जिसे पेश करते थे- विजय बहल। मधुर भूषण और उनके पति बृजभूषण द्वारा संयुक्त रूप से पेश किया जाने वाला कार्यक्रम- ''चेरीब्लॉज़्म नोंक-झोंक'' को भी श्रोताओं ने खूब पसंद किया। विज्ञापन प्रसारण सेवा के कुछ अन्य सफल प्रायोजित कार्यक्रम थे- फेमिना टैक्सटाइल्स का- जॉनी वॉकर के जवाब, खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा प्रायोजित- ''आज़ादी की अमर कहानी''। मफ़तलाल मिल्स द्वारा प्रायोजित- अमृतवाणी, हिन्दुस्तान कोको लि. का- बोर्नवीटा क्विज़ कांटैस्ट, रमा सयानी द्वारा प्रस्तुत- मोदी संगीत कहानी, सिबाका गीत माला (अमीन सयानी द्वारा प्रस्तुत नेटवर्क ब्रॉडकास्ट का पहला प्रोग्राम) वीडियोकॉन फ़िल्मधारा, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का-''आओ हाथ बढ़ाएं'' एवं ''नया सबेरा'', लक्स सितारों की सरगम, बिक्री कर पर सलाह का प्रायोजित कार्यक्रम- सेल्स टैक्स कंसल्टेंट, मानवता के सेवक, सवाल आपके-जवाब सितारों के, शिशुओं पर केन्द्रित ग्लैक्सो द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम- राग-अनुराग, पाश्चात्य संगीत पर केन्द्रित- फॉरच्यून रेडियो लिस्नर्स क्लब, बी.के. अंताक्षरी और पंडित विनोद शर्मा द्वारा पेश किया जाने वाला मशहूर प्रोग्राम- इंस्पेक्टर ईगल।

सन् 1936 में तत्कालीन निदेशक विजयलक्ष्मी सिन्हा ने विविध-भारती पर सातों दिन के लिए 1 घंटे का कार्यक्रम शुरू किया- पिटारा, जिसके अंतर्गत प्रसारित 'हैलोफ़रमाइश', 'सेल्युलॉइड के सितारे', 'सरगम के सितारे', 'हमारे मेहमान', 'चूल्हा चौका', सेहतनामा जैसे कार्यक्रम बेहद लोकप्रिय हुए। बाद में पिटारा में एक नया कार्यक्रम जोड़ा गया- बायस्कोप की बातें। इसे पेश करते थे लोकेन्द्र शर्मा। हैलो फ़रमाइश भारत में रेडियो प्रसारण के क्षेत्र में पहला इंटरैक्टिव फोन-इन प्रोग्राम था। विविध-भारती केन्द्र पर श्रीमती विजयलक्ष्मी सिन्हा के दौर में ही महानिदेशालय की पहल पर राष्ट्रीय प्रसाण हेतु राष्ट्रीय फिल्म पत्रिका चित्र भारती का निर्माण शुरू किया। विविध-भारती से करगिल युद्ध के दौरान प्रसारित हुआ- हैलो जयमाला, जो कालांतर में फोन कॉल्स के बदले पत्र आधारित हो गया और इसे नाम दिया गया- जयमाला संदेश।

केन्द्र निदेशक के रूप में राजेश रेड्डी के कार्यक्रम में कुछ और कार्यक्रम शुरू किए गए जैसे- उजाले उनकी यादों के, सखी-सहेली, सदाबहार नग्मे, गुलदस्ता, तेरे सुर मेरे गीत, और हिट-सुपरहिट, फेवरेट फॉइव। एस.एम.एस. के बहाने वी.बी.एस. के तराने, छाया गीत, आपकी फ़रमाइश, चित्रलोक गाने नये ज़माने के और आज के फ़नकार भी विविध-भारती के बेहद पसंद किए जाने वाले कार्यक्रम हैं। राजेश रेड्डी ने ही ''आकाशवाणी के पंचरंगी कार्यक्रम'' के बदले इस सेवा को नया नाम दिया- विविध-भारती, देश की सुरीली धड़कन और विविध-भारती, आकाशवाणी की मनोरंजन सेवा। ■